Nai Dunia (Indore), 3rd December 2021, Page-07

आइआइटी इंदौर बढ़ा रहा संसाधन

19 नए प्राध्यापक रखे जाएंगे, पांच विषयों की प्रयोगशाला स्थापित की गई

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर अपने साधनों को लगातार बढ़ा रहा है। इसी के तहत जीव विज्ञान, जैव चिकित्सा, खगोलशास्त्र और अंतरिक्ष अभियांत्रिकी क्षेत्र के नए संसाधन स्थापित किए जा रहे हैं। जैव चिकित्सा सिग्नल और इमेज प्रोसेसिंग, टिशू इंजीनियरिंग, नैनो मेडिकल, बायो मैकेनिक्स, बायो मटेरियल्स की प्रयोगशाला आइआइटी में स्थापित की गई है। इन विषयों में शिक्षा देने और शोध के संसाधन बढ़ाने के लिए प्राध्यापकों की तलाश की जा रही है।

संस्थान 19 नए प्राध्यापकों को रखेगा। इनमें सिविल इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, रसायनशास्त्र, गणित, भौतिकी, स्कूल आफ ह्यूमिनिटीज के प्राध्यापक भी शामिल हैं। संस्थान

आइआइटी, आइआइएससी बेंगलुरु, आइआइएम और अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों के अनुभवी प्राध्यापकों की तलाश कर रहा है।

आइआइटी इंदौर कर रहा है इन क्षेत्रों में सबसे ज्यादा काम : जीव विज्ञान, जैव चिकित्सा और अंतरिक्ष विज्ञान विषय पर देश के कुछ आइआइटी भी काम कर रहे हैं। इसमें आइआइटी मुंबई, आइआइटी दिल्ली, आइआइटी कानपुर और कुछ अन्य नाम शामिल हैं। खगोलशास्त्र में सबसे ज्यादा काम आइआइटी इंदौर में हो रहा है। कोरोना संक्रमण के बाद से आइआइटी इंदौर ने जीव विज्ञान और जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी के संसाधनों को बढ़ाना शुरू कर दिया है। कोरोना संक्रमण की प्रकृति को समझने के साथ ही इसके फैलाव के कारण तलाशने की कोशिश आइआइटी इंदौर भी कर रहा है। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र संघ के साथ संस्थान ने समझौता किया है। इसके तहत महामारी में शोध को बढ़ावा दिया जाएगा।

कोरोना महामारी के अलावा बाकी महामारी पर भी विदेशों के प्राध्यापकों के साथ मिलकर काम करेंगे। आइआइटी इंदौर के कार्यवाहक निदेशक प्रो. नीलेश कुमार जैन का कहना है कि जिस तरह के विषयों पर हम काम कर रहे हैं, उसमें अधिक विशेषज्ञों की टीम को जोड़ा जा रहा है। आइआइटी विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले प्राध्यापकों को कई तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराएगी। इसमें परिसर में रहने, मेडिक्लेम और कई तरह की सुविधाएं शामिल हैं।

हाइड्रोजन फ्यूल के उपयोग पर कोर्स करा रहा आइआइटी इंदौर

इंदौर। मानव संसाधन विकास मंत्रालय के सहयोग से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर में यूज आफ हाइड्रोजन फ्यूचर फ्यूल विषय पर पांच दिनी शार्ट टर्म कोर्स कराया जाएगा। इसकी शुरुआत 20 दिसंबर को होगी। इसमें हाइड्रोजन का उपयोग वाहनों में कैसे हो सकेगा, इस पर विस्तार से बात होगी। कोर्स में प्रवेश प्रक्रिया 19 दिसंबर तक चलेगी। इसके लिए आइआइटी की वेबसाइट पर आनलाइन आवेदन करना होगा। कार्यक्रम आनलाइन माध्यम से होगा। कोर्स में प्रवेश लेने वाले प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट दिया जाएगा। इसमें बीटेक, एमएससी, एमटेक और पीएचडी करने वाले प्रतिभागी शामिल हो सकते हैं। इस क्षेत्र में शोध करने वाले भी आवेदन कर सकते हैं। कोर्स में प्रतिभागियों को पढ़ाने के लिए दो विशेष प्रोफेसर शामिल होंगे।